सत्यमेव जयते

ಕನ್ನಡ ಬಾಲಬೋಧೆ

कन्नड़ भाषा प्रवेशिका

KANNADA PRIMER

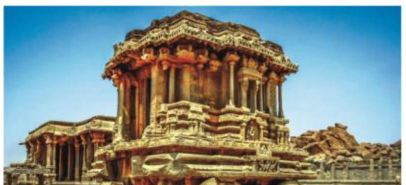

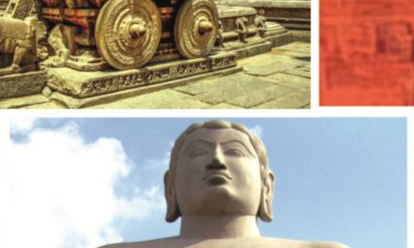

CIIL-NCERT Primer Series

ई–पाठशाला

क्यूआर (QR) कोड से संबद्ध ई–सामग्री प्राप्त करने के लिए उपयोगकर्ताओं के लिए चरणबद्ध मार्गदर्शिका

प्रत्येक अध्याय के पहले पृष्ठ पर स्थित कोड बॉक्स को क्विक रिस्पांस कोड – क्यूआर (QR) कोड कहते हैं। यह आपको अध्याय में दिए गए विषयों से संबंधित ई–सामग्री, जैसे ऑडियो, वीडियो, मल्टीमीडिया, पाठ्य–सामग्री आदि को प्राप्त करने में सहायता करेगा। पहला क्यूआर कोड संपूर्ण ई–पाठ्यपुस्तक प्राप्त करने के लिए है और प्रत्येक अध्याय में दिए गए क्यूआर कोड उस अध्याय से संबंधित ई–सामग्री प्राप्त करने में मदद करेंगे। यह प्रक्रिया आपको आनंदपूर्ण तरीके से सीखने में मदद करेगी।

अपने मोबाइल फ़ोन या टेबलेट द्वारा निम्नवत् चरणों का पालन कर और ई–पाठशाला के माध्यम से ई–सामग्री प्राप्त करें।

1	2	3	4	5
प्ले स्टोर से ई–पाठशाला स्कैनर एप इंस्टॉल करें और इसे खोलें	क्यूआर कोड स्कैनिंग विंडो को तैयार रखें	स्कैनर से क्यूआर कोड को स्कैन करें	लिंक को सिलेक्ट एवं क्लिक करें	उपलब्ध ई–सामग्री का प्रयोग करें

डेस्कटॉप या लैपटॉप पर ई–पाठशाला द्वारा ई–सामग्री प्राप्त करने के लिए नीचे दिए गए चरणों का पालन करें– https://epathshala.nic.in/topics.php पर जाएँ और क्यूआर कोड के नीचे दिए गए एल्फान्यूमेरिक कोड को दर्ज करें।

दीक्षा

दीक्षा एप को गुगल प्लेस्टोर से डाउनलोड करें फिर नीचे दिए गए चरणों का पालन करें। **दीक्षा** का उपयोग करते हुए आप अपने स्मार्टफोन या टेबलेट से ई–सामग्री प्राप्त करें।

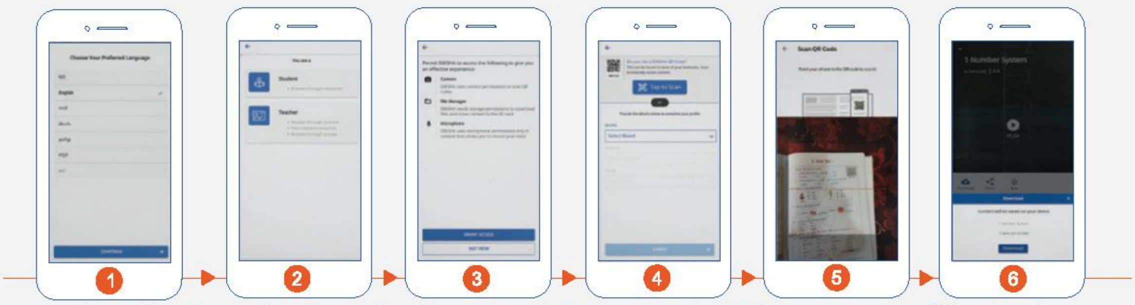

1	2	3	4	5	6
अपनी पसंदीदा भाषा का चयन करें	अपनी भूमिका चुनें–शिक्षक या विद्यार्थी	पहुँच प्रदान करें और एप को अनुमति दें	क्यूआर कोड को स्कैन करने के लिए टैप करें	कैमरा पाठ्यपुस्तक के क्यूआर कोड पर फोकस करें	क्लिक करके क्यूआर कोड से संबद्ध ई–सामग्री प्ले करें

डेस्कटॉप या लेपटॉप पर दीक्षा का उपयोग करते हुए ई–सामग्री प्राप्त करने के लिए नीचे बताए गए चरणों का पालन करें– https://diksha.gov.in/resources पर जाएँ और क्यूआर कोड के नीचे दिए गए एल्फान्यूमेरिक कोड को दर्ज करें।

" जैसे हमारे जीवन को हमारी मां गढ़ती है, वैसे ही मातृभाषा भी हमारे जीवन को गढ़ती है। आजादी के 75 साल बाद भी कुछ लोग ऐसे मानसिक द्वन्द्व में जी रहे हैं, जिसके कारण उन्हें अपनी भाषा, अपने पहनावे, अपने खान-पान को लेकर एक संकोच होता है। जबकि विश्व में कहीं और ऐसा नहीं है। हमारी मातृभाषा है, हमें उसे गर्व के साथ बोलना चाहिए। और हमारा भारत तो भाषाओं के मामले में इतना समृद्ध है कि उसकी तुलना ही नहीं हो सकती। हमारी भाषाओं की सबसे बड़ी खूबसूरती यह है कि कश्मीर से कन्याकुमारी तक, कच्छ से कोहिमा तक सैकड़ों भाषाएं, हजारों बोलियाँ एक दूसरे से अलग लेकिन एक दूसरे में रची-बसी हुई हैं। भाषा अनेक पर भाव एक। सदियों से हमारी भाषाएं एक दूसरे से सीखते हुए खुद को परिष्कृत करती रही हैं। एक दूसरे का विकास कर रही हैं।"

श्री नरेंद्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री, भारत

(27 फरवरी, 2022; मन की बात कार्यक्रम में)

ಕನ್ನಡ ಬಾಲಭೋಧೆ
कन्नड़ भाषा प्रवेशिका
KANNADA PRIMER

भारतीय भाषा संस्थान
Central Institute of Indian Languages
(Department of Higher Education, Ministry of Education, GoI)
Manasagangotri, Mysuru - 570 006
Ph: 0821 2515820 (Director)
email: ada-ciilmys@gov.in

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
National Council of Educational Research and Training
Sri Aurobindo Marg
New Delhi - 110016
Ph: 011 2696 2580
email: dceta.ncert@nic.in

ಕನ್ನಡ ಬಾಲಬೋಧೆ
कन्नड़ भाषा प्रवेशिका
KANNADA PRIMER

A basal reader of Kannada alphabet and basic numerals for the kids of Balvatika/Anganwadi levels and adult literacy programmes through andragogy, prepared by Central Institute of Indian Languages (CIIL), Mysuru and National Council of Educational Research and Training (NCERT), New Delhi.

Editors
Dinesh Prasad Saklani
Shailendra Mohan
Ramanujam Meganathan

ISBN: 978-81-970852-6-0

First Edition: December, 2024

Published by CIIL, Mysuru in collaboration with NCERT, New Delhi.

© CIIL & NCERT 2024
All rights reserved. No part of this primer may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted into any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying and recording or otherwise, without the prior permission of the publisher.

Cover Design: Nandakumar L
Cover Photo: Kannada Resource Persons

Printed by CIIL, Mysuru and NCERT, New Delhi.

धर्मेन्द्र प्रधान
ଧର୍ମେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରଧାନ
Dharmendra Pradhan

सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

शिक्षा मंत्री
भारत सरकार
Minister of Education
Government of India

संदेश

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को स्कूल और उच्चतर शिक्षा के प्रत्येक स्तर के साथ एकीकृत करने की आवश्यकता पर बल देती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सिफारिशों के अनुरूप ही बुनियादी स्तर की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2022, तीन वर्ष से आठ वर्ष तक की आयु-वर्ग के बच्चों के लिए मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में शिक्षण कार्य को दृष्टिगत रखकर तैयार की गई है। अनेकानेक शोधों के माध्यम से भी यही निष्कर्ष निकाला गया है कि जब विद्यार्थियों को उनकी मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में अनुदेशन दिया जाता है तब उनका शिक्षण-अधिगम अपेक्षाकृत उत्तम होता है। इसलिए भारत सरकार ने बाल वाटिका, आद्य साक्षरता तथा बुनियादी साक्षरता की शुरुआत की है। देश के विभिन्न भागों का दौरा करते हुए तथा वहाँ के शिक्षकों एवं बच्चों से बातचीत करते समय हमें इस बात का बोध हुआ कि भारत की विभिन्न भाषाओं तथा मातृभाषाओं में भाषा शिक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण पुस्तकों की तत्काल आवश्यकता है।

अतः हमने एनसीईआरटी, नई दिल्ली तथा भारतीय भाषा संस्थान, मैसूरु को देश की सभी भाषाओं तथा मातृभाषाओं में ऐसी प्रवेशिकाओं का निर्माण करने हेतु उत्प्रेरित किया जो न केवल वैज्ञानिक विधि से अक्षर-पहचान के साथ पढ़ना और लिखना सीखने में मदद करें, बल्कि बच्चों को वहाँ के सांस्कृतिक पहलुओं का ज्ञान भी करवाएँ। अपनी भाषा तथा संस्कृति का ज्ञान आत्मनिर्भरता तथा विकास की ओर पहला कदम होता है।

ये प्रवेशिकाएँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा के अनुसार स्थानीय सामग्री के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए तैयार की गई हैं। इन प्रवेशिकाओं की मदद से बच्चे अपनी भाषाओं तथा मातृभाषाओं की ध्वनियों, वर्णों, शब्दों एवं वाक्य विन्यास के साथ-साथ संबंधित राज्य की राजभाषा तथा सभ्यता एवं संस्कृति का भी बुनियादी ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। इन पहलों के माध्यम से हमारे बच्चे भारतीय ज्ञान-परम्परा की समृद्ध विरासत से भी परिचित होंगे। डिजिटल प्रारूप में ये सभी प्रवेशिकाएँ बच्चों, शिक्षकों तथा अभिभावकों को पूर्णतः निःशुल्क रूप से भी उपलब्ध होंगी।

इस अवसर पर मैं समिति के सदस्यों, विशेषज्ञों और भाषा शिक्षकों को हार्दिक धन्यवाद देता हूँ, जिन्होंने इन प्रवेशिकाओं को तैयार करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। मुझे विश्वास है कि ये प्रवेशिकाएँ माननीय प्रधानमंत्री जी के 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में अत्यधिक उपयोगी साबित होंगी।

(धर्मेन्द्र प्रधान)

सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा

MOE - Room No. 301, 'C' Wing, 3rd Floor, Shastri Bhavan, New Delhi-110 001, Phone : 91-11-23782387, Fax : 91-11-23382365
E-mail : minister.sm@gov.in

संजय कुमार, भा.प्र.से
सचिव

Sanjay Kumar, IAS
Secretary

भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
Government of India
Ministry of Education
Department of School Education & Literacy

सत्यमेव जयते

संदेश

मनुष्य की सभ्यता और संस्कृति को आकार देने में भाषा महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह करती है। भाषा एक समूह की विशेषताओं को परिभाषित करने के साथ-साथ एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक ज्ञान संचार का माध्यम भी है। भाषा सभ्यता को आगे बढ़ाने और मनुष्य को अधिक उन्नत स्थिति तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भाषा के माध्यम से विज्ञान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के रूप में प्रसारित ज्ञान देश भर के सभी बच्चों तक पहुँचाया जा सकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और बुनियादी स्तर की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा-2022, तीन वर्ष से आठ वर्ष तक के आयु-वर्ग के बच्चों के लिए मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में सीखने-सिखाने पर बल देती है। भारतीय भाषाओं के प्रोत्साहन के उद्देश्य से एनसीईआरटी, नई दिल्ली तथा भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर के अथक् प्रयासों के परिणामस्वरूप भारतीय भाषाओं में सीखने सिखाने हेतु प्रवेशिकाओं का विमोचन किया जा रहा है। ये प्रवेशिकाएँ मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा को बढ़ावा देने और बच्चो में विभिन्न अवधारणाओं की समझ विकसित करने में सहायक होंगी। साथ ही राज्यों और शैक्षिक एजेंसियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन सकेगी। हमारे लिए इन प्रवेशिकाओं को शिक्षकों, अभिभावकों, शिक्षाविदों तथा अन्य हितधारकों तक पहुँचाना गर्व की बात है।

इस अवसर पर मैं प्रवेशिकाओं के निर्माण से जुड़े सभी सदस्यों, विशेषज्ञों एवं विभिन्न भाषायी शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ, जिनके बहुमूल्य योगदान से इन प्रवेशिकाओं को विकसित करना संभव हो पाया है। मुझे विश्वास है कि इन प्रवेशिकाओं से विद्यार्थियों, शिक्षकों, शिक्षक-प्रशिक्षकों, प्रशासकों, अभिभावकों, प्रधानाध्यापकों और शिक्षा के अन्य हितधारक लाभान्वित होंगे।

(संजय कुमार)

124 'सी' विंग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001
124 'C' Wing, Shastri Bhawan, New Delhi-110001
Telephone: +91-11-23382587, +91-11-23381104 Fax : +91-11-23387589
E-mail: secy.sel@nic.in

प्राक्कथन

भाषा अभिव्यक्ति का माध्यम तो है ही, संस्कृति का एक उपादान भी है। भाषा समुदाय की पहचान होती है और पीढ़ियों के लिए ज्ञान के संचरण का स्रोत भी। भाषा सभ्यता के विकास को प्रेरित करती है और मानव को उच्चतर स्तर पर रूपांतरित भी करती है। यह तथ्य कि भारत एक बहुभाषिक देश है- एक ओर भारत की भाषिक विविधता एवं समृद्धि को दर्शाता है तो दूसरी ओर यह भी बताता है कि कैसे यह एक सामाजिक विविधता है। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि लगभग सभी भारतीय सही अर्थों में द्विभाषिक या बहुभाषिक हैं। हम जानते हैं कि भारत की 2011 की जनगणना में 121 भाषाओं और 270 मातृभाषाओं/बोलियों की सूची दी गई है। भारत के संविधान के खंड XVII और 8वीं अनुसूची की 343 से 351 तक की धाराएँ देश की भाषाओं से संबंधित हैं। बच्चों का सामाजिक एवं संज्ञानात्मक विकास भाषा के द्वारा समृद्ध होता है, क्योंकि समाजीकरण का कार्य मातृभाषा अथवा परिवार एवं पड़ोस की भाषा में होता है। यह एक स्थापित तथ्य है कि बच्चों में भाषाओं को सीखने की जन्मजात क्षमता होती है। अतः राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 में विद्यालयी शिक्षा के प्रारंभिक दिनों (आधारभूत चरण) में शिक्षा हेतु माध्यम के रूप में मातृभाषा के उपयोग और मातृभाषा-आधारित शिक्षा पर अत्यधिक बल दिया गया है।

विद्यालयों में बच्चों की मातृभाषा की उपलब्धता को सुनिश्चित करना और यह देखना कि बच्चे किसी अपरिचित भाषा में शिक्षा-प्राप्ति के भय से मुक्त हों- यह किसी भी सफल शिक्षा-व्यवस्था के शाश्वत सिद्धांत हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भाषा खंड को 'बहुभाषिकता और भाषा की शक्ति' का शीर्षक दिया गया है जो बहुत ही सटीक है तथा यह विद्यालयी शिक्षा में सभी भाषाओं के विकास के महत्व पर बल देता है। भारत सरकार देशभर में मातृभाषा-आधारित शिक्षा प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है और विभिन्न पहलों एवं परियोजनाओं के माध्यम से इसे लागू करने हेतु सतत प्रयास कर रही है। बच्चों की घर की भाषा में शिक्षा की यह सशक्त नींव न केवल भविष्य में विद्यालयी एवं उच्चतर शिक्षा को सबल बनाने में सहायक होगी बल्कि इसका एक उद्देश्य यह भी है कि बच्चे अन्य भाषाओं को सीखने के लिए भी प्रेरित हों।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एनसीईआरटी) एवं भारतीय भाषा संस्थान (सीआईआईएल) द्वारा संयुक्त रूप से तैयार प्रवेशिकाओं (प्राइमर) का लक्ष्य छोटे बच्चों या भाषा सीखने वाले किसी अन्य व्यक्ति को मुद्रित एवं दृश्य माध्यम से भाषाओं से परिचित बनाना है। इन प्रवेशिकाओं का विकास विलुप्ति का खतरा झेल रही अनेक भाषाओं के दस्तावेजीकरण के प्रयासों में भी अपना योगदान दे रहा है। अतः भाषाओं का संरक्षण और विकास करना तथा सभी भाषाओं को विद्यालय में लाकर विद्यालयी शिक्षा, विशेषकर इसके निर्माणात्मक वर्षों को समावेशी बनाना प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। कहने की आवश्यकता नहीं कि यह भारतीय संविधान की समानाधिकारवादी लोकतंत्र की आत्मा के अनुरूप है और प्रत्येक समुदाय एवं व्यक्ति के भाषिक अधिकारों का सुदृढ़ीकरण है। मुझे विश्वास है कि ये प्रवेशिकाएँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में परिकल्पित बहुभाषिक शिक्षा की अवधारणा को प्रोत्साहन प्रदान करेंगी। साथ ही अनेक जनजातीय, अल्पसंख्यक एवं अल्पप्रयुक्त भाषाओं में अंतर्वस्तु के विकास का मार्ग भी प्रशस्त करेंगी तथा एनसीईआरटी द्वारा आधारभूत चरण हेतु विकसित अन्य सामग्रियों जैसे-बालवाटिका, विद्या प्रवेश आदि के लिए सहायक सामग्री का कार्य करेंगी।

शिक्षकों, अभिभावकों एवं बच्चों की शिक्षा के लिए कार्य करने वाले शिक्षाविदों के हाथों में इन प्रवेशिकाओं को देते हुए मैं माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी द्वारा उनके प्रेरणादायक मार्गदर्शन के लिए अनुगृहीत हूँ। मैं इन प्रवेशिकाओं के सफल विकास एवं प्रकाशन हेतु गठित समिति के कार्यकारी समूहों के अध्यक्षों, सदस्यों तथा समन्वयकों को भी धन्यवाद देता हूँ। मैं आशा करता हूँ कि शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, एनसीईआरटी एवं सीआईआईएल का यह संयुक्त प्रयास मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा के उत्थान हेतु राज्यों एवं शिक्षा के अभिकरणों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा और बहुभाषी शिक्षा को प्रोत्साहन देने वाले एक राष्ट्रीय अभियान का रूप लेगा ताकि अपनी मातृभाषा का एवं अपनी मातृभाषा में अध्ययन करने के हर विद्यार्थी के अधिकार की रक्षा हो सके।

दिसंबर 2024
नई दिल्ली

प्रो. दिनेश प्रसाद सकलानी
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली

भूमिका/Introduction/ಮುನ್ನುಡಿ

भारत सदियों से एक बहुभाषिक देश रहा है जहाँ कई भाषाएँ/मातृभाषाएँ बोली जाती हैं। यह देश की एक महत्वपूर्ण विशेषता है कि हम अपने दैनिक व्यवहार में कई भाषाओं का प्रयोग करते हैं जो हमें एक साथ बांधती हैं और एकजुट रखती हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में इस बात पर अत्यधिक बल दिया गया है कि भारत की बहुभाषिक प्रकृति एक बहुत बड़ी संपत्ति है जिसका देश के सामाजिक-सांस्कृतिक, आर्थिक और शैक्षणिक विकास के लिए कुशलतापूर्वक उपयोग करने की आवश्यकता है। यह शिक्षा में हर स्तर पर बहुभाषावाद को बढ़ावा देने की अनुशंसा करती है ताकि विद्यार्थियों को अपनी भाषाओं में अध्ययन करने का अवसर प्राप्त हो सके। सभी भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम सामग्री के सृजन से इस बहुभाषिक संपदा में वृद्धि होगी और इससे विकसित भारत के निर्माण में बेहतर योगदान हो सकेगा। एनईपी 2020 की अनुशंसाओं के अनुरूप, प्रारंभिक कक्षा की प्रवेशिकाओं के विकास के लिए एक व्यापक और समावेशी दृष्टिकोण की आवश्यकता है जो भारत के प्रत्येक क्षेत्र की अनोखी भाषाई और सांस्कृतिक विशेषताओं के अनुरूप हो। इन प्रवेशिकाओं का उद्देश्य प्रारंभिक कक्षा के छात्रों को पढ़ने और लिखने में प्रवीणता प्रदान करना और उनकी रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देना है। यह किसी भाषा के प्रतीकों और उसकी वर्णमाला के अक्षरों के बोध, अभिज्ञान एवं उच्चारण की कुंजी है। ये प्रवेशिकाएं बच्चों को इन अक्षरों के एक या एक से अधिक समुच्चयों के अर्थ से भी अवगत कराती हैं जो उनके संयोजनों जैसे, शब्द में उन अक्षरों की आरंभिक, माध्यमिक या अंतस्थ स्थिति से बनते हैं। इसके अतिरिक्त, ये बाद में बताए गये अक्षरों के लेखन के अभ्यास को सुगम बनाने हेतु उदाहरण प्रस्तुत करते हैं और ये शिशुगीत/छंद/तुकांत बच्चों की भाषा तथा उनके संज्ञानात्मक कौशलों के विकास में भी सहायक सिद्ध होगी।

Bharat has been a multilingual country for ages, with many languages spoken in different regions of the country. Using multiple languages in our verbal repertoire is a common characteristic of the country; it binds us together and keeps us united. National Education Policy (NEP) 2020 strongly emphasises the idea, that the multilingual nature of Bharat is a huge asset that needs to be utilised efficiently for the socio-cultural, economic, and educational development of the nation. It recommends the promotion of multilingualism in education at every level so that learners get the opportunity to study in their own language(s). The creation of teaching-learning material in all Bharatiya languages will thus boost this multilingual asset and allow it to make a better contribution to 'Viksit Bharat'. That said, developing early-grade primers in alignment with NEP 2020 requires a comprehensive and inclusive approach that addresses the unique linguistic and cultural characteristics of each region in India. These primers aim to provide not only language proficiency in reading and writing but also foster creativity and critical thinking among the early-stage learners. It is a key to pronouncing, recognising, comprehending letters of the alphabet and symbols of a language. It also familiarises children with the meaning of one or more sets of these letters made through their combinations such as letters in initial, medial and final positions of the word. Moreover, it provides examples that facilitate writing practice of the letters introduced later; and the rhymes will help students in their language development and cognitive skills.

ಭಾರತದ ವಿಭಿನ್ನ ಪ್ರದೇಶಗಳಲ್ಲಿ ಹಲವಾರು ಭಾಷೆಗಳನ್ನು ಮಾತನಾಡುವುದರಿಂದ ಭಾರತವು ಬಹುಭಾಷೆ ಮತ್ತು ಬಹುಸಂಸ್ಕೃತಿಯ ದೇಶವಾಗಿದೆ. ಮೌಖಿಕವಾಗಿ ನಮ್ಮಲ್ಲಿ ಬಹುಭಾಷೆಯನ್ನು ಉಪಯೋಗಿಸುವ ಮತ್ತು ಆಹ್ಲಾದಿಸುವ ಪ್ರವೃತ್ತಿಯು ಸಾಮಾನ್ಯವಾಗಿದ್ದು, ಇದು ನಮ್ಮ ದೇಶದ ಸಾಮಾನ್ಯ ಲಕ್ಷಣವಾಗಿರುವುದರ ಜೊತೆಗೆ ನಮ್ಮನ್ನು ಒಂದಾಗಿ ಬಂಧಿಸಿದೆ ಹಾಗೂ ಒಗ್ಗೂಡಿಸಿದೆ. ಭಾರತದ ಬಹುಭಾಷಾ ಸ್ವಭಾವವನ್ನು ಸಂಪತ್ತು ಮತ್ತು ಶಕ್ತಿಯೆಂದು ಪರಿಗಣಿಸಿ ಅದನ್ನು ಸಮಾಜೋ-ಸಾಂಸ್ಕೃತಿಕ, ಆರ್ಥಿಕ ಮತ್ತು ಶೈಕ್ಷಣಿಕ ಅಭಿವೃದ್ಧಿಗೆ ಪರಿಣಾಮಕಾರಿಯಾಗಿ ಉಪಯೋಗಿಸಿಕೊಳ್ಳುವ ಅಗತ್ಯತೆಯಿದೆ ಎಂಬ ಪರಿಕಲ್ಪನೆಯನ್ನು ಹೊಸ ರಾಷ್ಟ್ರೀಯ ಶಿಕ್ಷಣ ನೀತಿ-೨೦೨೦ (NEP-2020) ತೀವ್ರವಾಗಿ ಪ್ರತಿಪಾದಿಸುತ್ತದೆ. ಇದು ಶಿಕ್ಷಣದ ಪ್ರತಿ ಹಂತದಲ್ಲೂ ಬಹುಭಾಷಾವಾದದ ಪ್ರಚಾರವನ್ನು ಶಿಫಾರಸ್ಸು ಮಾಡುತ್ತದೆ. ಇದರಿಂದ ಕಲಿಯುವವರು ತಮ್ಮ ಭಾಷೆಗಳಲ್ಲಿಯೇ ಅಧ್ಯಯನಮಾಡಲು ಅವಕಾಶವನ್ನು ನೀಡಿದಂತಾಗುತ್ತದೆ. ಎಲ್ಲಾ ಭಾರತೀಯ ಭಾಷೆಗಳಲ್ಲಿ ಬೋಧನೆ-ಕಲಿಕೆ

ಸಾಮಗ್ರಿಗಳನ್ನು ರಚಿಸುವುದರಿಂದ ಈ ಬಹುಭಾಷಾ ಸಂಪತ್ತನ್ನು ಹೆಚ್ಚಿಸುತ್ತದೆ ಮತ್ತು 'ವಿಕಸಿತ ಭಾರತದ' ದೃಷ್ಟಿಕೋನಕ್ಕೆ ಉತ್ತಮ ಕೊಡುಗೆ ನೀಡಲು ಅವಕಾಶ ಮಾಡಿಕೊಡುತ್ತದೆ. NEP-2020ರೊಂದಿಗೆ ಪೂರ್ವ-ಹಂತದ ಮೂಲಪಾಠ ಪುಸ್ತಕಗಳನ್ನು ಅಭಿವೃದ್ಧಿಪಡಿಸಲು ಭಾರತದ ಪ್ರತಿಯೊಂದು ಪ್ರದೇಶದ ವಿಶಿಷ್ಟ ಭಾಷಿಕ ಮತ್ತು ಸಾಂಸ್ಕೃತಿಕ ಗುಣಲಕ್ಷಣಗಳನ್ನು ತಿಳಿಸುವ ಸಮಗ್ರ ಮತ್ತು ಅಂತರ್ಗತ ವಿಧಾನದ ಅಗತ್ಯವಿದೆ. ಈ ಮೂಲಪಾಠ ಪುಸ್ತಕಗಳು ಆರಂಭಿಕ ಹಂತದ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳಲ್ಲಿ ಓದುವಿಕೆ ಮತ್ತು ಬರವಣಿಗೆಯಲ್ಲಿ ಭಾಷಾ ಪ್ರಾವೀಣ್ಯತೆ ಮತ್ತು ಸೃಜನಶೀಲತೆಗೆ ಪ್ರೋತ್ಸಾಹ ಮತ್ತು ವಿಮರ್ಶಾತ್ಮಕ ಚಿಂತನೆಗಳನ್ನು ಪ್ರೇರೇಪಿಸುವ ಗುರಿಯನ್ನು ಹೊಂದಿದೆ. ವರ್ಣಮಾಲೆಯ ಅಕ್ಷರಗಳನ್ನು ಗುರುತಿಸಲು, ಗ್ರಹಿಸಲು ಮತ್ತು ಉಚ್ಚರಿಸಲು ಕಲಿಕೆಯ ಕೀಲಿಯಾಗಿ ಅವು ಕಾರ್ಯನಿರ್ವಹಿಸುತ್ತವೆ. ಈ ಮೂಲಪಾಠ ಪುಸ್ತಕಗಳು ಅಕ್ಷರಗಳ ಒಂದು ಅಥವಾ ಹೆಚ್ಚು ರೂಪಾಂತರ ಮತ್ತು ಅವುಗಳ ಅರ್ಥಗಳನ್ನು ಮಕ್ಕಳಿಗೆ ಪರಿಚಯಿಸುತ್ತವೆ, ಉದಾಹರಣೆಗೆ ಪದದ ಆದಿ, ಮಧ್ಯ ಮತ್ತು ಅಂತ್ಯದ ಸ್ಥಾನಗಳಲ್ಲಿನ ಅಕ್ಷರಗಳು. ಅಂತಿಮವಾಗಿ, ಇದು ಅಧ್ಯಾಯಗಳಲ್ಲಿ ಅಕ್ಷರ ಬರೆಯುವ ಅಭ್ಯಾಸವನ್ನು ಪರಿಚಯಿಸುತ್ತದೆ. ಪ್ರಾಸಗಳು ಮತ್ತು ಹಾಡುಗಳು ಮಕ್ಕಳಲ್ಲಿನ ಭಾಷಾ ಬೆಳವಣಿಗೆ, ಅರಿವಿನ ಕೌಶಲಗಳು ಮತ್ತು ಸ್ಮರಣೆಯನ್ನು ಅಭಿವೃದ್ಧಿಪಡಿಸಲು ಸಹಾಯಮಾಡುತ್ತವೆ.

दिसंबर 2024
मैसूरु

प्रो. शैलेंद्र मोहन
निदेशक
भारतीय भाषा संस्थान, मैसूरु

CIIL-NCERT Primer Series: Kannada Primer Development Team

Guidance

Dinesh Prasad Saklani, Director, NCERT, New Delhi
Shailendra Mohan, Director, CIIL, Mysuru
Chamu Krishna Shastry, Chairman, Bharatiya Bhasha Samiti (BBS), New Delhi

Advisors

Amarendra Prasad Behera, Joint Director, Central Institute of Educational Technology (CIET), NCERT, New Delhi
Awadesh Kumar Mishra, Chief Coordinator (Academic), BBS, New Delhi
Sandhya Singh, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Mohd. Faruq Ansari, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Pankaj Dwivedi, Assistant Director (Admin) i/c, CIIL, Mysuru
Ravindra Kumar, Associate Professor, CIET, NCERT, New Delhi

Coordinator

Ramanujam Meganathan, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi

Editorial Coordinator

Aleendra Brahma, Lecturer-cum-Junior Research Officer, CIIL, Mysuru

Resource Persons

Gayathri S, Educationist and Musician, Freelancer, New Delhi
Nagaraju S, Senior Resource Person, Scheme for Protection and Preservation of Endangered Languages (SPPEL), CIIL, Mysuru

Hindi Reviewer

Satyaendra Kumar Awasthi, Senior Resource Person, Linguistic Data Consortium for Indian Languages, CIIL, Mysuru

Design Team

Nandakumar L, JRP (Technical), National Translation Mission, CIIL, Mysuru
Jewsnrang Basumatary, Resource Person (Teaching) in Bodo, North Eastern Regional Language Centre, (CIIL), Guwahati
Saravanan A S, Graphic Editor, SPPEL, CIIL, Mysuru
Shwetha K, Artist, Bharatavani, CIIL, Mysuru
Shobharani B, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru
G. Yuvaraj, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru

We sincerely acknowledge the copyright holders of the pictures used in this primer, anonymously and we also declare that the pictures are used for purely educational purposes only.

ಕನ್ನಡ ಬಾಲಬೋಧೆಯನ್ನು ಬಳಸುವ ಬಗೆ

ಮಾತೃಭಾಷೆಯಿಂದ ಪ್ರಾರಂಭಿಸಿ ಅನೇಕ ಭಾಷೆಗಳೊಂದಿಗೆ ಮಗುವಿನ ಪರಿಚಿತತೆ ಅದರ ಸರ್ವಾಂಗೀಣ ಬೆಳವಣಿಗೆಯಲ್ಲಿ ಬೀರುವ ಅತ್ಯಂತ ನಿರ್ಣಾಯಕ ಅಂಶಗಳಲ್ಲಿ ಒಂದು. ವಿವಿಧ ಭಾಷೆಗಳ ಆರಂಭಿಕ ಪರಿಚಯವು ಮಗುವಿನ ಅರಿವಿನ ಸಾಮರ್ಥ್ಯಗಳ ವಿಸ್ತರಣೆಗೆ ಸಹಾಯಮಾಡುತ್ತದೆ. ಹಾಗೆಯೇ ಮಕ್ಕಳ ಭಾವನಾತ್ಮಕ ಮತ್ತು ಸಮಗ್ರ ಸಾಮರ್ಥ್ಯಗಳನ್ನು ಹೆಚ್ಚಿಸುವಲ್ಲಿ ಮಾತೃಭಾಷೆ ಪ್ರಮುಖ ಪಾತ್ರವನ್ನು ವಹಿಸುತ್ತದೆ. ಸ್ಥಳೀಯ ಭಾಷೆ ಎಂದೂ ಕರೆಯಲ್ಪಡುವ ಮಾತೃಭಾಷೆಯು, ಮಕ್ಕಳು ತಮ್ಮ ಭಾವನೆಗಳು ಮತ್ತು ಆಲೋಚನೆಗಳನ್ನು ಹೆಚ್ಚು ಆತ್ಮವಿಶ್ವಾಸದಿಂದ ವ್ಯಕ್ತಪಡಿಸಲು, ಅವರ ಸಾಂಸ್ಕೃತಿಕ ಜಗತ್ತನ್ನು ಉತ್ತಮವಾಗಿ ಅರ್ಥಮಾಡಿಕೊಳ್ಳಲು ಮತ್ತು ಭವಿಷ್ಯದಲ್ಲಿ ಅವರ ಸಾಮರ್ಥ್ಯಗಳನ್ನು ಪೂರ್ಣವಾಗಿ ಅರಿತುಕೊಳ್ಳಲು ಸಹಾಯಮಾಡುತ್ತದೆ. ಅಂತೆಯೇ, ಶಿಶುವಿಹಾರ ಮತ್ತು ಅಂಗನವಾಡಿಗಳಂತಹ ಕಲಿಕೆಯ ಹೊಸ ಸ್ಥಳಗಳಲ್ಲಿ ಮನೆಯ ಪರಿಚಿತ ಸ್ಥಳದ ವಿಸ್ತರಣೆಯು ಮಕ್ಕಳ ಕಲಿಕೆಯ ಉತ್ಸಾಹ ಮತ್ತು ಅನ್ವೇಷಣಾ ಮನಸ್ಸನ್ನು ಉಳಿಸಿಕೊಳ್ಳಲು ಸಹಾಯಕವಾಗುತ್ತದೆ. ಮಾತೃಭಾಷೆ-ಆಧರಿತ ಬಹುಭಾಷಾ ಶಿಕ್ಷಣದ ಪ್ರತಿಪಾದಕರಲ್ಲಿ ಪ್ರಮುಖವಾಗಿರುವ ಯುನೆಸ್ಕೋ (UNESCO), ಮಕ್ಕಳ ಬೋಧನಾ ಭಾಷೆ ಅವರದೇ ಸ್ವಂತ ಮಾತೃಭಾಷೆಯಾಗಿದ್ದಾಗ ತಿಳಿವಳಿಕೆಯಿಂದ ಓದುವ ಸಾಧ್ಯತೆ ೩೦% ಹೆಚ್ಚಾಗಿರುತ್ತದೆ ಎಂದು ಪ್ರಾಯೋಗಿಕ ಪುರಾವೆಗಳ ಮೂಲಕ ಪ್ರತಿಪಾದಿಸಿದೆ. ಮಾತೃಭಾಷೆಯಲ್ಲಿನ ಆರಂಭಿಕ ಶಿಕ್ಷಣವು ಕಲಿಕೆಯ ಗುಣಮಟ್ಟವನ್ನು ಹೆಚ್ಚಿಸುತ್ತದೆ ಮತ್ತು ಆ ಮೂಲಕ, ನಂತರದ ಉನ್ನತ ಶಿಕ್ಷಣದ ಸವಾಲುಗಳಿಗೆ ದೃಢವಾದ ಅಡಿಪಾಯವನ್ನು ಹಾಕುತ್ತದೆ. ಮಾತೃಭಾಷಾ ಆಧಾರಿತ ಶಿಕ್ಷಣದ ಅಗತ್ಯತೆಯು ಈಗಾಗಲೇ ಸಾಬೀತಾಗಿರುವ ವಿಷಯವಾಗಿದ್ದು, ಭಾರತ ಸರ್ಕಾರದ ಪ್ರಯತ್ನಗಳು ಕೂಡಾ ಸ್ವಂತ ಮಾತೃಭಾಷೆಗಳ ಮೂಲಕ ಮಕ್ಕಳ ಆರಂಭಿಕ ಕಲಿಕೆಯನ್ನು ಬಲಪಡಿಸುವ ಗುರಿಯನ್ನು ಹೊಂದಿವೆ.

ಮಾತೃಭಾಷಾ ಆಧಾರಿತ ಶಿಕ್ಷಣದ ಅಗತ್ಯತೆಯನ್ನು ಒತ್ತಿ ಹೇಳುವ ೨೦೨೦ರ ರಾಷ್ಟ್ರೀಯ ಶಿಕ್ಷಣ ನೀತಿ ಮತ್ತು ೨೦೨೨ರ ರಾಷ್ಟ್ರೀಯ ಪಠ್ಯಕ್ರಮ ಚೌಕಟ್ಟು ಸಹ ಭಾರತದ ವಿವಿಧ ಮಾತೃಭಾಷೆಗಳ ಮೂಲಕ ಆರಂಭಿಕ ಕಲಿಕೆಗೆ ಪ್ರೇರೇಪಣೆಯನ್ನು ನೀಡಿದೆ. ಎಂಟು ವರ್ಷದವರೆಗಿನ ಮಕ್ಕಳಿಗೆ ಪ್ರಾಥಮಿಕ ಬೋಧನಾ ಮಾಧ್ಯಮವಾಗಿ ಮಾತೃಭಾಷೆಗೆ ಹೆಚ್ಚಿನ ಒತ್ತುನೀಡಲಾಗಿದೆ ಮತ್ತು ಇದರ ಭಾಗವಾಗಿ, ಮೂರರಿಂದ ಐದು ವರ್ಷದೊಳಗಿನ ಮಕ್ಕಳಿಗಾಗಿ ಭಾರತದ ವಿವಿಧ ಭಾಷೆಗಳಲ್ಲಿ ಬಾಲವಾಟಿಕಾ ಪುಸ್ತಕಗಳನ್ನು ರಚಿಸುವ ಕ್ರಮವನ್ನು ಕೈಗೊಳ್ಳಲಾಗಿದೆ. ಮನೆಯ ಸಾಂಸ್ಕೃತಿಕ ವಾತಾವರಣವನ್ನು ಪ್ರೈಮರ್‌ಗಳು ಮತ್ತು ಪಠ್ಯಪುಸ್ತಕಗಳಂತಹ ಕಲಿಕೆಯ ಸಾಧನಗಳಿಗೆ ವಿಸ್ತರಿಸುವುದರಿಂದ ಮಕ್ಕಳ ಕಲಿಕೆಯ ಉತ್ಸಾಹವನ್ನು ಉಳಿಸಿಕೊಳ್ಳಬಹುದಾಗಿದ್ದು, ಇದೇ ಉದ್ದೇಶವನ್ನು ಈ ಬಾಲವಾಟಿಕಾ ಕೈಪಿಡಿಗಳ ಸರಣಿಯೂ ಹೊಂದಿದೆ. ವರ್ಣರಂಜಿತ ಚಿತ್ರಗಳು ಮತ್ತು ಲಯಬದ್ಧ ಹಾಡುಗಳನ್ನು ಸೇರಿಸುವ ಮೂಲಕ ಮಕ್ಕಳ ಸೃಜನಶೀಲ ಸಾಮರ್ಥ್ಯ ಮತ್ತು ಸಂತೋಷವನ್ನು ಈ ಪ್ರೈಮರ್‌ಗಳು ಹೆಚ್ಚಿಸುತ್ತವೆ ಮತ್ತು ಅದರ ಓದುವಿಕೆ ಮತ್ತು ಬರವಣಿಗೆಯ ಅಭ್ಯಾಸಗಳಿಂದ ಉತ್ತಮಗೊಳಿಸುತ್ತವೆ.

ಭಾರತದ ಅನುಸೂಚಿತ ಭಾಷೆಗಳಲ್ಲಿ 'ಕನ್ನಡ' ಒಂದಾಗಿದ್ದು, ದ್ರಾವಿಡ ಭಾಷೆಗಳಲ್ಲಿ ಒಂದು ಪ್ರಮುಖ ಭಾಷೆಯಾಗಿದೆ. ಇದನ್ನು ಸುಮಾರು ಐದೂವರೆ ಕೋಟಿಗೂ ಹೆಚ್ಚು ಜನರು ತಮ್ಮ ಮಾತೃಭಾಷೆಯನ್ನಾಗಿ ಆಡುತ್ತಿದ್ದಾರೆ. ಭಾರತದ ದೊಡ್ಡ-ದೊಡ್ಡ ಪಟ್ಟಣಗಳಲ್ಲಿ ಮಾತ್ರವಲ್ಲದೆ ಭಾರತದ ಹೊರಗಡೆ ಕೂಡ ಸಾವಿರಾರು ಜನ ಕನ್ನಡ ಭಾಷೆಯನ್ನು ಮಾತನಾಡುವವರಿದ್ದಾರೆ. ಕರ್ನಾಟಕ ರಾಜ್ಯದ ಆಡಳಿತ ಭಾಷೆಯಾದ ಕನ್ನಡಕ್ಕೆ ಕೇಂದ್ರ ಸರ್ಕಾರದಿಂದ ಶಾಸ್ತ್ರೀಯ ಸ್ಥಾನ-ಮಾನವೂ ಸಿಕ್ಕಿದೆ.

ಪ್ರಸ್ತುತ 'ಕನ್ನಡ ಬಾಲಬೋಧೆ' ಒಂದು ಚಿತ್ರಾತ್ಮಕ ಪುಸ್ತಕವಾಗಿದ್ದು, ಇದು ಶಿಕ್ಷಕರು ಹಾಗೂ ಮಕ್ಕಳಿಗೆ ಕ್ರಮವಾಗಿ ಅಕ್ಷರಗಳನ್ನು ಕಲಿಸಲು ಮತ್ತು ಕಲಿಯಲು ಸಹಾಯಮಾಡುವ ಗುರಿಯನ್ನು ಹೊಂದಿದೆ. ಈ ಪ್ರೈಮರ್‌ನಲ್ಲಿ ಮಕ್ಕಳಿಗೆ ನಾಲ್ಕು ಕನ್ನಡ ಪದಗಳ ಮೂಲಕ ಶಬ್ದಗಳನ್ನು ಪರಿಚಯಿಸಲಾಗಿದೆ. ಅಲ್ಲದೆ, ಪ್ರತಿಯೊಂದು ಶಬ್ದಗಳಿಗೂ ಪುಟ್ಟ-ಪುಟ್ಟ ಪ್ರಾಸದ ಶಿಶುಗೀತೆಯೊಂದನ್ನು ನೀಡಲಾಗಿದೆ. ಮಕ್ಕಳ ಸೃಜನಶೀಲ ಆಸಕ್ತಿಗಳನ್ನು ಪರಿಚಯಿಸಲು ಮತ್ತು ಉಳಿಸಿಕೊಳ್ಳಲು ಎಲ್ಲಾ ನಾಲ್ಕು ಪದಗಳನ್ನೂ ಚಿತ್ರಗಳಿಂದ ಪ್ರತಿನಿಧಿಸಲಾಗಿದೆ.

ಧ್ವನಿ ಪರಿಚಯ: ಮಕ್ಕಳು ಚಿತ್ರವನ್ನು ನೋಡಿ ವಸ್ತುವಿನ ಹೆಸರನ್ನು ಹೇಳುತ್ತಾರೆ. ಆ ವಸ್ತುವಿನ ಹೆಸರು ಯಾವ ಧ್ವನಿಯಿಂದ ಆರಂಭವಾಗುತ್ತದೆಂದು ಶಿಕ್ಷಕರು ಪ್ರಶ್ನಿಸುತ್ತಾರೆ. ಉದಾಹರಣೆಗೆ: 'ಅನ್ನ' ಎಂಬ ಪದದಲ್ಲಿ 'ಅ' ಎಂಬ ಆರಂಭಿಕ ಧ್ವನಿಯನ್ನು ಮಕ್ಕಳು ಗುರುತಿಸುತ್ತಾರೆ.

ಅಕ್ಷರ ಪರಿಚಯ: ಶಿಕ್ಷಕರು ಮೊದಲು 'ಅ' ಎಂಬ ಅಕ್ಷರ ಹೇಗಿರುತ್ತದೆಂದು ಹೇಳುತ್ತಾರೆ. ಕೆಲವು ಪದಗಳನ್ನು ಕೊಟ್ಟು, ಅವುಗಳಲ್ಲಿ 'ಅ' ಎಂಬ ಅಕ್ಷರವನ್ನು ಗುರುತಿಸಲು ಹೇಳಲಾಗುತ್ತದೆ. ಮಕ್ಕಳು ಮೂರು ಅಥವಾ ನಾಲ್ಕು ಶಬ್ದಗಳಲ್ಲಿ 'ಅ' ಅಕ್ಷರದ ಧ್ವನಿಯನ್ನು ಗುರುತಿಸಿ, ಅದರ ಧ್ವನಿಯನ್ನು ಉಚ್ಚರಿಸಲು ಅಭ್ಯಾಸಮಾಡುತ್ತಾರೆ.

ಓದುವಿಕೆ: ಮಕ್ಕಳು ಚಿತ್ರವನ್ನು ನೋಡುತ್ತಾ ಅವರ ಭಾಷೆಯಲ್ಲಿ ಶಬ್ದಗಳನ್ನು ಹೇಳುತ್ತಾರೆ. ಅಕ್ಷರಗಳ ಮೇಲೆ ಬೆರಳುಗಳನ್ನಿಟ್ಟು, ಧ್ವನಿಗಳನ್ನು ಗುರುತಿಸುತ್ತಾ, ಎಡದಿಂದ ಬಲಕ್ಕೆ ಶಬ್ದವನ್ನು ಓದುತ್ತಾರೆ. 'ಅ' ಅಕ್ಷರವಿರುವ ಇತರ ಶಬ್ದಗಳನ್ನು ಓದುತ್ತಾ, 'ಅ' ಧ್ವನಿಯನ್ನು ಹಾಗೂ ಅಕ್ಷರವನ್ನು ಗುರುತಿಸುತ್ತಾ, ಆರಂಭದಲ್ಲಿ, ಮಧ್ಯದಲ್ಲಿ ಹಾಗೂ ಕಡೆಯಲ್ಲಿ 'ಅ' ಧ್ವನಿ ಇರುವ ಅಕ್ಷರ ಗುರುತಿಸುವುದನ್ನು ಶಿಕ್ಷಕರು ಅವರಿಗೆ ಹೇಳಿಕೊಡುತ್ತಾರೆ.

ಶಿಕ್ಷಕರು 'ಅ' ಅಕ್ಷರವಿರುವ ಮೂರು-ನಾಲ್ಕು ಶಬ್ದಗಳನ್ನು ಕರಿಹಲಗೆಯ ಮೇಲೆ ಬರೆಯುವಾಗ ಮಕ್ಕಳು ಅಲ್ಲಿರುವ 'ಅ' ಅಕ್ಷರವನ್ನು ಓದುತ್ತಾರೆ. ಶಿಕ್ಷಕರು ಒಬ್ಬರ ಬಳಿಕ ಒಬ್ಬರಂತೆ ಮಕ್ಕಳನ್ನು ಕರೆಯುತ್ತಾರೆ. ಕೊಟ್ಟಿರುವ ಎಲ್ಲಾ ಪದಗಳನ್ನು ಮಕ್ಕಳ ಪ್ರಪಂಚದಿಂದ ತೆಗೆದುಕೊಂಡು ಅವರು ಅದನ್ನು ಗುರುತಿಸುವಂತೆ ಮಾಡಲಾಗಿದೆ. ಮಕ್ಕಳು ಚಿತ್ರಗಳನ್ನು ನೋಡಿ ಹಾಗೂ ಅಕ್ಷರಗಳನ್ನು ಗುರುತಿಸಿ, ಈ ಪದಗಳನ್ನು ಪುಸ್ತಕದಲ್ಲಿ ಓದುತ್ತಾರೆ. ಶಿಕ್ಷಕರು ಮಕ್ಕಳನ್ನು ಒಂದೊಂದೇ ಅಕ್ಷರಗಳನ್ನು ಪ್ರತ್ಯೇಕವಾಗಿ ಗುರುತಿಸಲು ತಿಳಿಸುತ್ತಾರೆ. ಒಬ್ಬ ಮಗು ಅದನ್ನು ಓದುತ್ತಿರುವಾಗ ಉಳಿದ ಮಕ್ಕಳು ಅದನ್ನು ಜೊತೆಗೆ ಹೇಳುತ್ತಾರೆ. ಇದನ್ನು ಗುಂಪು ಓದುವಿಕೆ ಎನ್ನುತ್ತಾರೆ.

ಬರವಣಿಗೆ: ಶಿಕ್ಷಕರು ಅಕ್ಷರವನ್ನು ಬರೆಯುವಾಗ ಲೇಖನಿ ಯಾವ ಕಡೆಯಿಂದ ಯಾವ ಕಡೆಯವರೆಗೆ ಚಲಿಸುತ್ತದೆ ಎಂಬುದನ್ನು ತೋರಿಸಿಕೊಡುತ್ತಾರೆ. ಆ ಬಳಿಕ ಮಕ್ಕಳು ಪುಸ್ತಕದಲ್ಲಿ ನೀಡಲಾದ ಸ್ಥಳದಲ್ಲಿ ಅವರಷ್ಟಕ್ಕೆ ಅದನ್ನು ಬರೆಯುವಾಗ ಹಾಗೂ ಓದುವಾಗ ಶಿಕ್ಷಕರು ಸಹಾಯಮಾಡುತ್ತಾರೆ. ಮಕ್ಕಳ ಬಾಯಿಮಾತಿನ ಭಾಷೆಯ ಬೆಳವಣಿಗೆಗೆ ಎರಡು-ಮೂರು ಸಾಲಿನ ಪುಟ್ಟ-ಪುಟ್ಟ ಪದ್ಯಗಳನ್ನು ಶಬ್ದಗಳೊಂದಿಗೆ ನೀಡಲಾಗಿದೆ. ಶಿಕ್ಷಕರು ಅದನ್ನು ಹಾಡುತ್ತಾ, ಓದುತ್ತಾ ಅಭ್ಯಾಸಮಾಡಿಸುತ್ತಾರೆ. ಅವರು ಶಾಲೆಯ ಗ್ರಂಥಾಲಯದಲ್ಲಿರುವ ಕಥೆ ಪುಸ್ತಕಗಳನ್ನು ಓದಿ ಆ ಕಥೆಯನ್ನು ಕುರಿತು ಮಕ್ಕಳೊಂದಿಗೆ ಚರ್ಚಿಸುತ್ತಾರೆ. ನಾವು ಮೊದಲು ಕಥೆಗಳನ್ನು ಹೇಳಿ ಹಾಗೂ ಹಾಡುಗಳನ್ನು ಹಾಡಿ ಮಕ್ಕಳನ್ನು ಮುಂದಿನ ಹಂತಕ್ಕೆ ತಯಾರುಮಾಡಬೇಕು. ಪುಸ್ತಕದಲ್ಲಿ ನೀಡಲಾಗಿರುವ ಪದಗಳೆಲ್ಲವೂ ಅಕ್ಷರ ಜ್ಞಾನಕ್ಕೆ ಮಾದರಿಯಷ್ಟೇ. ಮಕ್ಕಳು ಇದಕ್ಕಿಂತಲೂ ಹೆಚ್ಚು ಪದಗಳನ್ನು ತಿಳಿದಿರುತ್ತಾರೆ. ಶಿಕ್ಷಕರು ಆ ಪದಗಳನ್ನು ಕೂಡ ಹೇಳಿಸುವುದರ ಮೂಲಕ ಮಕ್ಕಳ ಅರಿವನ್ನು ವಿಸ್ತರಿಸಬಹುದು (ಉದಾಹರಣೆಗೆ 'ಅ' ಅಕ್ಷರದಿಂದ ಆರಂಭವಾಗುವ ಕೆಲವು ಪದಗಳನ್ನು ಹೇಳಿ).

ಟಿಪ್ಪಣಿ: ವರ್ಣಮಾಲೆಯಲ್ಲಿ ಕೊಟ್ಟಿರುವ ಅನುಸ್ವಾರ(ಂ)ವನ್ನು 'ಅ' ಜೊತೆಗೆ (ಅಂ) 'ಅಮ್' ಎಂದು ಉಚ್ಚರಿಸುತ್ತಿವೆಯಾದರು ಸಹ ಈ ಅನುಸ್ವಾರ ಕ, ಖ, ಗ, ಘ ಅಕ್ಷರಗಳ ಹಿಂದೆ ಬಂದಾಗ 'ಅಙ್' ಎಂದೂ (ಉದಾ: ಅಂಕ > ಅಙ್ಕ); ಚ, ಛ, ಜ, ಝ ಅಕ್ಷರಗಳ ಹಿಂದೆ ಬಂದಾಗ 'ಅಞ್' ಎಂದೂ (ಉದಾ: ಅಂಚೆ > ಅಞ್ಚೆ); ಟ, ಠ, ಡ, ಢ ಅಕ್ಷರಗಳ ಹಿಂದೆ ಬಂದಾಗ 'ಅಣ್' ಎಂದೂ (ಉದಾ: ಅಂಟು > ಅಣ್ಟು); ತ, ಥ, ದ, ಧ ಅಕ್ಷರಗಳ ಹಿಂದೆ ಬಂದಾಗ 'ಅನ್' ಎಂದೂ (ಉದಾ: ಅಂದ > ಅನ್ದ); ಉಳಿದೆಲ್ಲಾ ಕಡೆ 'ಅಮ್' ಎಂದೂ (ಉದಾ: ಅಂಬಲಿ > ಅಮ್ಬಲಿ, ಸಂಯುಕ್ತ > ಸಮ್ಯುಕ್ತ ಇತ್ಯಾದಿ,) ಉಚ್ಚರಿಸಬೇಕು.

ಕೆಳಗೆ ಕೊಟ್ಟಿರುವ ಗೆರೆಗಳನ್ನು ನೋಡಿ ಖಾಲಿ ಬಿಟ್ಟಿರುವ ಜಾಗದಲ್ಲಿ ಅದೇ ರೀತಿ ಬರೆಯಿರಿ :

ನೇರ ಗೆರೆ :

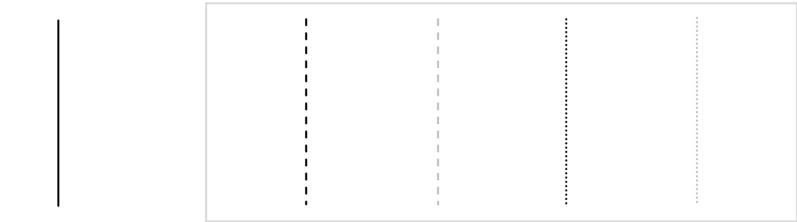

ಅಡ್ಡ ಗೆರೆ :

ಓರೆ ಗೆರೆ-1 :

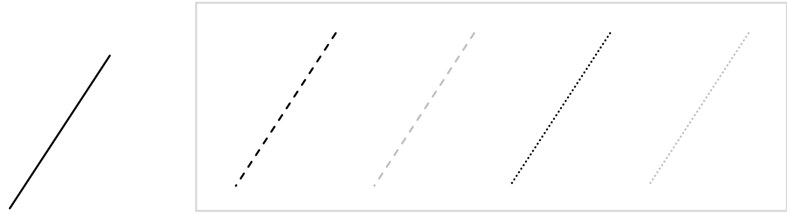

ಓರೆ ಗೆರೆ-2 :

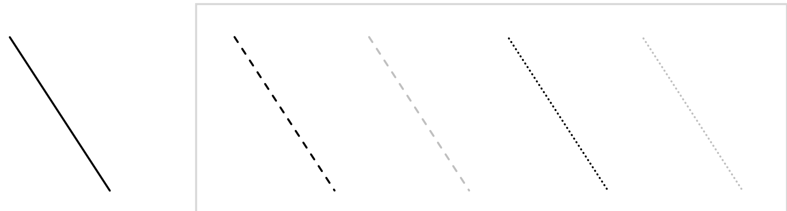

ವಕ್ರ ಗೆರೆ-1 :

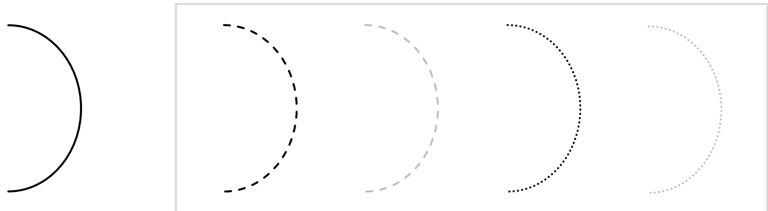

ವಕ್ರ ಗೆರೆ-2 :

ಟಿಪ್ಪಣಿ: ಶಿಕ್ಷಕರು ಮಕ್ಕಳಿಗೆ ಕೊಟ್ಟಿರುವ ಜಾಗದಲ್ಲಿ ಪೆನ್ನು ಅಥವಾ ಪೆನ್ಸಿಲನ್ನು ಹೇಗೆ ಹಿಡಿದುಕೊಂಡು ಬರೆಯಬೇಕೆಂದು ಕಲಿಸಬೇಕು.

ಕನ್ನಡ ವರ್ಣಮಾಲೆ

ಸ್ವರಾಕ್ಷರಗಳು

ಅ	ಆ	ಇ	ಈ	ಉ	ಊ	ಋ	ಎ
ಏ	ಐ	ಒ	ಓ	ಔ	ಅಂ	ಅಃ	

ವ್ಯಂಜನಾಕ್ಷರಗಳು

ಕ	ಖ	ಗ	ಘ	ಙ
ಚ	ಛ	ಜ	ಝ	ಞ
ಟ	ಠ	ಡ	ಢ	ಣ
ತ	ಥ	ದ	ಧ	ನ
ಪ	ಫ	ಬ	ಭ	ಮ
ಯ	ರ	ಲ	ವ	ಶ
ಷ	ಸ	ಹ	ಳ	

ಅ

ಅನ್ನ

चावल

ಅಕ್ಕಿ ಇದ್ದರೆ ಆಗುತ್ತೆ ಅನ್ನ
ತಿನ್ನದಿದ್ದರೆ ನೀ ಆಗುತ್ತೀಯ ಸಣ್ಣ

ಅಳಿಲು	ಅನಾನಸ್ಸು	ಅಡಕೆ
गिलहरी	अनानास	सुपारी

ಅ ಅ ಅ

ಆ

ಆಲದಮರ

बरगद

ಅಲ್ಲಿ ನೋಡು ಆಲದಮರ
ನೇತಾಡುತ್ತಿವೆ ಅದರ ಬೇರು
ಉಯ್ಯಾಲೆ ತರ

ಆಮೆ

कछुआ

ಆನೆ

हाथी

ಆಡು

बकरी

ಆ ಆ ಆ

ಇ

ಇರುವೆ

चींटी

ಇರುವೆ ಇರುವೆ ಪುಟಾಣಿ ಇರುವೆ
ಶಿಸ್ತಾಗಿ ಸಾಲಿನಲಿ ನೀ ನಡೆವೆ
ನಿನ್ನಿಂದ ನಾ ಪಾಠವ ಕಲಿಯುವೆ

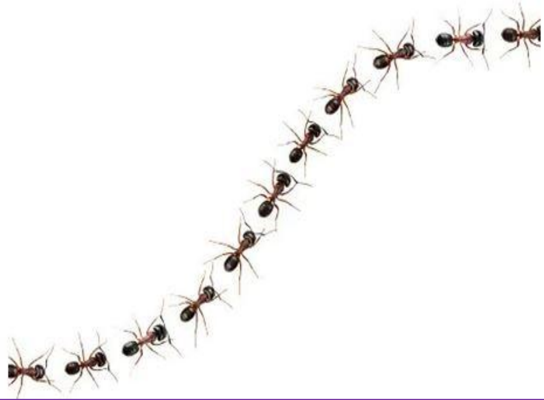

ಇಡ್ಲಿ	ಇಲಿ	ಇಟ್ಟಿಗೆ
इडली	चूहा	ईंट

ಇ	ಇ	ಇ	

ಈ

ಈರುಳ್ಳಿ

प्याज

ಸಾಂಬಾರಿಗೂ ಬೇಕು ಈರುಳ್ಳಿ
ತಿಂಡಿ-ತಿನಿಸಿಗೂ ಬೇಕು ಈರುಳ್ಳಿ
ಕಣ್ಣಲ್ಲಿ ನೀರು ತರಿಸುವ ಈರುಳ್ಳಿ

	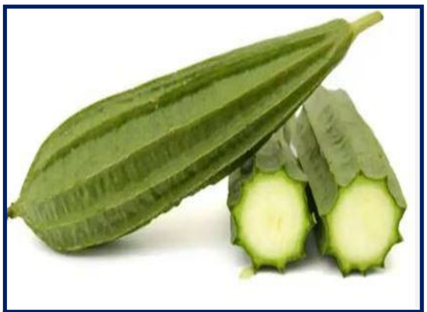	
ಈಟಿ	ಈರೇಕಾಯಿ	ಈಚಲಮರ
भाला	तोरई	खजूर

ಈ	ಈ	ಈ	

ಉ

ಉಗುರು

नाखून

ಬೆಳೆದರೆ ಉದ್ದ ಉಗುರುಗಳು
ಕೇಳುವರು ನಿನ್ನ ಗುರುಗಳು

ಉಪ್ಪಿಟ್ಟು

उपमा

ಉಯ್ಯಾಲೆ

झूला

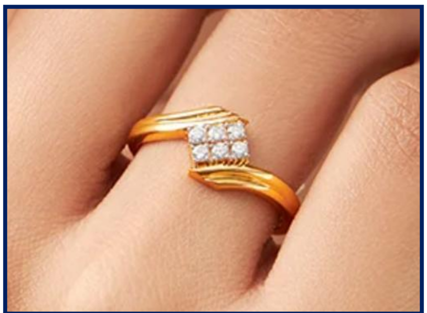

ಉಂಗುರ

अँगूठी

ಉ ಉ ಉ

ಊ

ಊಟ

खाना

ಊಟವೇ ಔಷಧಿಯಾಗಿತ್ತು ಅಂದು
ಔಷಧಿಯೇ ಊಟವಾಗಿದೆ ಇಂದು

ಊರುಗೋಲು	ಊದುಕಡ್ಡಿ	ಊದುಗೊಳವೆ
छड़ी	अगरबत्ती	फुकनी

ಊ ಊ ಊ

ಋ

ಋಷಿ

ऋषि

ಆಗಿದ್ದಾರೆ ಅವರು ಋಷಿ
ಆದರೂ ಇಲ್ಲ ಜೀವನದಲಿ ಖುಷಿ

ಋ	ಋ	ಋ	
ಋ	ಋ	ಋ	
ಋ	ಋ	ಋ	

ಎ

ಎಳೆನೀರು

नारियल पानी

ಎಳೆನೀರು ಕುಡಿಯಿರಿ ಎಳೆನೀರು
ದೇಹಕ್ಕೆ ತಂಪು ಎಳೆನೀರು

ಎಮ್ಮೆ	ಎಲೆ	ಎಲೆಕೋಸು
भैंस	पत्ता	पत्तागोभी

ಎ ಎ ಎ

ಏ

ಏಡಿ

केकड़ा

ಏಡಿ ಬಂತು ಏಡಿ
ಹೋಗಬೇಡ ಓಡಿ

ಏಣಿ	ಏಲಕ್ಕಿ	ಏತ
सीढ़ी	इलायची	मोट

ಏ ಏ ಏ

ಐ

ಐರಾವತ

ऐरावत

ಸಮುದ್ರ ಮಂಥನದಲಿ ದೊರೆತ
ಐರಾವತ
ಇಂದ್ರನ ವಾಹನ ಐರಾವತ

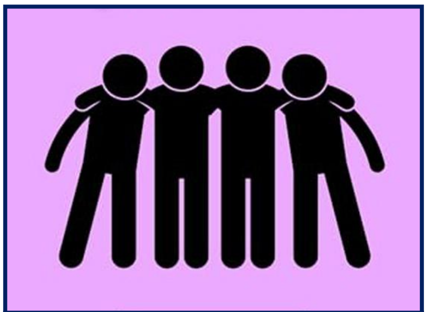		
ಐಕ್ಯತೆ	ಸೈಕಲ್	ಕೈ
एकता	साइकिल	हाथ

ಐ ಐ ಐ

ಒ

ಒಂಟೆ

ऊँट

ಮರುಭೂಮಿಯ ವಾಹನ ಒಂಟೆ
ಆಹಾರವಿಲ್ಲದೆ ಓಡುತ್ತದೆ ಅದು
ನೂರಾರು ಘಂಟೆ

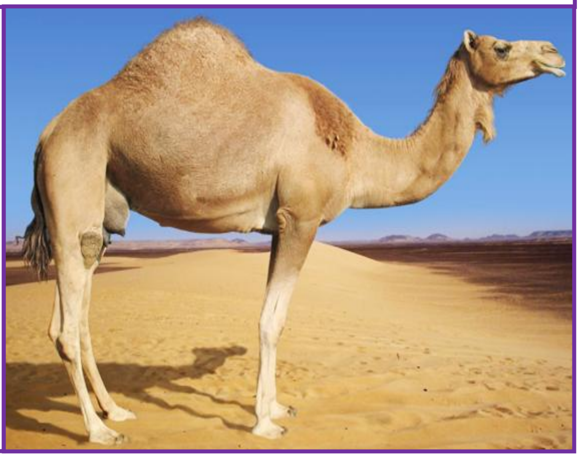

ಒಲೆ	ಒನಕೆ	ಒಬ್ಬಟ್ಟು
चूल्हा	मूसल	पूरणपूरी

ಒ ಒ ಒ

ಓ

ಓದು

पढ़ना

ಓದುವುದು ಒಂದು ಕಲೆ
ಸಿಗುವುದು ಅದರಿಂದ ನಮಗೆ ಬೆಲೆ
ಆಗುವುದು ಜೀವನಕ್ಕೊಂದು ನೆಲೆ

ಓಲೆ

बाली

ಓತಿಕ್ಯಾತ

गिरगिट

ಓಟ

दौड़ना

ಓ ಓ ಓ

ಔ

ಔಷಧಿ

दवाई

ಔಷಧಿ ಬೇಕು ಯಾಕೆಂದರೆ
ನಿಮ್ಮದು ಆರೋಗ್ಯ ಹಾಳು
ಔಷಧಿ ಬೇಡ ಯಾಕೆಂದರೆ
ನಮ್ಮದು ಬಂಗಾರದ ಬಾಳು

ಔಷಧಾಲಯ

दवाखाना

ಔತಣ

दावत

ಸೌಟು

चमचा

ಔ ಔ ಔ

ಅಂ

ಅಂಬಿಗ

नाविक

ತುಂಬಿದ ಕೊಡ ತುಳುಕುವುದಿಲ್ಲ
ಅಂಬಿಗನಿಲ್ಲದ ದೋಣಿ
ಸಾಗುವುದಿಲ್ಲ

ಅಂಬಾರಿ

हौदा

ಸಂಪಿಗೆ ಹೂವು

चम्पा

ಗೋಡಂಬಿ

काजू

ಅಂ ಅಂ ಅಂ

ಅಃ

ಪ್ರಾತ:ಕಾಲ

प्रातः

ಪ್ರಾತ:ಕಾಲದೊಳೆದ್ದು
ಅಂತ:ಕರಣ ಶುದ್ಧಿ ಮಾಡಿದ
ಮೇಲೆ ದು:ಖವಿನ್ನೇತಕೆ?

ಅಃ	ಅಃ	ಅಃ	
ಅಃ	ಅಃ	ಅಃ	
ಅಃ	ಅಃ	ಅಃ	

ಕ

ಕರಡಿ

भालू

ಕಪ್ಪು ಕಪ್ಪು ಕರಡಿ
ಬರ್ತಾ ಇದೆ ಹೊರಡಿ

ಕಡಲೇಕಾಯಿ	ಕೊಕ್ಕರೆ	ಕನ್ನಡಕ
मूँगफली	बगुला	चश्मा

ಕ ಕ ಕ

ಖ

ಖರ್ಜೂರ

खजूर

ದಿನಾಲು ತಿನ್ನು ಖರ್ಜೂರ
ಹಾಗಂತ ಮಾಡಬೇಡ ದರ್ಬಾರ

ಖಡ್ಗಮೃಗ

गैंडा

ಲೇಖನಿ

कलम

ಮುಖ

चेहरा

ಖ ಖ ಖ

ಗ

ಗಂಟೆ

घंटा

ಗಂಟೆಯ ಸದ್ದಿಗೆ ನಿಂತರು
ಮಕ್ಕಳು ಸಾಲಾಗಿ
ಒಂದೇ ಬಾರಿಗೆ ಮೊಳಗಿತು
ಪ್ರಾರ್ಥನೆ ಜೋರಾಗಿ

ಗದೆ	ಗರಗಸ	ಕಡಗ
गदा	आरा	कड़ा

ಗ ಗ ಗ

ಘ

ಘಂಟೆಹೂವು

टिकोमा/तुरही

ಸೂಸುತ್ತಿವೆ ಘಮ ಘಮ
ತೋಟದ ತುಂಬಾ ಕುಸುಮ

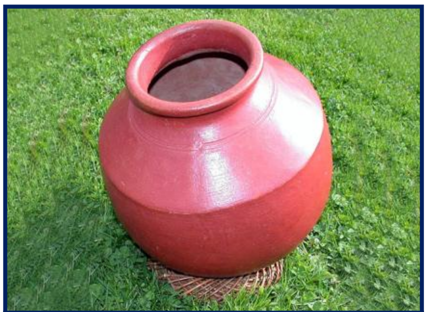

ಘಟ

घड़ा

ವ್ಯಾಘ್ರ

बाघ

ಮೇಘ

बादल

ಘ ಘ ಘ

ಐ

ಅಂಗಡಿ

दुकान

ಅಂಗಡಿಗೆ ಬಂದಳು ತಂಗಿ
ಕಾಸಿಗೆ ಕೊಂಡಳು ಅಂಗಿ

ಅಂಗಿ

कमीज

ಜಿಂಕೆ

हिरण

ಮಂಗ

बंदर

ಐ ಐ ಐ

ಚ

ಚಂದ್ರ

चंद्रमा

ಚಂದ ಮಾಮ ಓಡಿ ಬಾ
ಚಂದದಿಂದ ಆಡು ಬಾ

ಚಪ್ಪಲಿ	ಬಾಚಣಿಗೆ	ಚಮಚ
चप्पल	कंघी	चम्मच

ಚ	ಚ	ಚ	

ಛ

ಛತ್ರಿ

छाता

ಮಳೆಗೂ ಹಿಡಿಯಬೇಕು ಛತ್ರಿ
ಬಿಸಿಲಿಗೂ ಹಿಡಿಯಬೇಕು ಅದೇ
ಛತ್ರಿ

ಛತ್ರ

मंडप

ಕಛೇರಿ

कार्यालय

ಛ

ಛ ಛ ಛ

ಜ

ಜಗುಲಿ

चबूतरा

ಯಾರೇ ಬಂದರೂ ಕೂರಲಿ ಅಲ್ಲಿ
ಮನೆಯ ಮುಂದಿನ ಜಗುಲಿಯಲ್ಲಿ

ಜಟಕಾ	ಗಜನಿಂಬೆ	ಕಣಜ
घोड़ा गाड़ी	नींबू	टोकरी

ಜ ಜ ಜ

ಝ

ಝರಿ

झरना

ಅಲ್ಲಿ ಹರಿಯುವುದು ಝರಿ
ಆ ನೀರನ್ನೇ ಕುಡಿಯುವುದು ನಮ್ಮ
ಕುರಿ

ಝರಿ ಹುಳು

कनखजूरा

ಝಂಡಾ

झंडा

ಝೀಬ್ರಾ

जेब्रा

ಝ ಝ ಝ

ಞ

ಅಂಜೂರ

अंजीर

ತಿನ್ನಲು ಬಲು ರುಚಿ ಖರ್ಜೂರ
ಅದಕ್ಕಿಂತಲೂ ರುಚಿ ಈ ಅಂಜೂರ

ಹೆಂಚು

खपरैल

ಮಂಚ

चारपाई

ಪಂಜರ

पिंजरा

ಞ ಞ ಞ

ಟ

ಟಪಾಲು

पत्र पेटिका

ಟಪಾಲು ಬಂತು ಟಪಾಲು
ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಲು ನಾ ಇಳಿದೆನು
ಮನೆಯ ಮೆಟ್ಟಿಲು

ಟಗರು

भेड़

ಕಿಟಕಿ

खिड़की

ಗಾಳಿಪಟ

पतंग

ಟ ಟ ಟ

ಠ

ಠಸ್ಸೆ

मुहर

ಒತ್ತಿದರೆ ನೀನು ಠಸ್ಸೆ
ಆಗುವುದಿಲ್ಲ ಯಾವುದೇ ಸಮಸ್ಯೆ

ಠೇವಣಿ	ಮಿಠಾಯಿ	ಪೀಠ
जमा करना	मिठाई	चौकी

ಠ ಠ ಠ

ಡ

ಡಬ್ಬ

डिब्बा

ಓಡಿ ಬಂದ ಸುಬ್ಬ
ತಗೊಂಡೋದ ಡಬ್ಬ

ಡಮರು

डमरू

ಮಡಕೆ

मटका

ಗಿಡ

पौधा

ಡ ಡ ಡ

ಢ

ಢಕ್ಕೆ

नगाड़ा

ಗಂಟೆಯ ಸದ್ದು ಢಣಾ ಢಣಾ
ಢಕ್ಕೆಯ ಸದ್ದು ಢಮಾ ಢಮಾ

ಗಾಢ ನಿದ್ರೆ

गहरी नींद

ಢಿಕ್ಕಿಹೊಡೆ

टक्कर

ಢ

ಢ ಢ ಢ

ಣ

ನೊಣ

मक्खी

ಸಿಹಿ ಇದ್ದರೆ ಬರುತ್ತೆ ನೊಣ
ಕಷ್ಟಪಟ್ಟು ದುಡಿದರೆ ಸಿಗುತ್ತೆ ಹಣ

ಅಣಬೆ	ಗೆಣಸು	ಹಣ
कुकुरमुत्ता	शकरकंद	धन

ಣ ಣ ಣ

ತ

ತಮಟೆ

ಢपली

ತಮಟೆ ಸದ್ದು ಕುಣಿಯಲು ಚಂದ
ಅದಕ್ಕಾಗಿ ತಾತ ಬಡಿಯಲು ಬಂದ

ತಕ್ಕಡಿ

तराजू

ಪಾತರಗಿತ್ತಿ

तितली

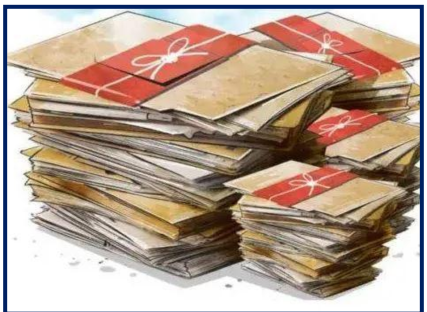

ಕಡತ

फाइल

ತ ತ ತ

ಥ

ಗ್ರಂಥ

किताब

ಓದಿದರೆ ನೀ ಗ್ರಂಥ
ಆಗುವುದು ಜ್ಞಾನ ನಿನ್ನ ಸ್ವಂತ

ಥರ್ಮಾಸ್

थरमस

ಗ್ರಂಥಾಲಯ

पुस्तकालय

ರಥ

रथ

ಥ ಥ ಥ

ದ

ದನ

पशु

ದನ ಕಾಯೋರು ನಾವು
ಹಾಲು ಕುಡಿಯೋರು ನೀವು

ದಳ	ಬದನೆಕಾಯಿ	ಪಾದ
पंखुड़ी	बैंगन	पाँव

ದ ದ ದ

ಧ

ಧ್ವಜ

झंडा

ನೀಲಿ ಬಾನಲಿ ಹಾರಾಡುತಿದೆ ಧ್ವಜ
ಕೇಸರಿ ಬಿಳಿ ಹಸಿರು ಬಣ್ಣದ ನಮ್ಮ
ಧ್ವಜ

ಧ್ವನಿವರ್ಧಕ	ಅರ್ಧಚಂದ್ರ	ಶ್ರೀಗಂಧ
लाउड स्पीकर	अर्द्धचंद्र	चंदन

ಧ	ಧ	ಧ	

ನ

ನದಿ

नदी

ಕಾವೇರಿ ನಮ್ಮ ನಾಡಿನ ಜೀವನದಿ
ಕಾವೇರಿ ನಮ್ಮ ಜನರ ಜೀವನಾಡಿ

ನವಿಲು	ಕನಕ	ನಯನ
मोर	सोना	आँख

ನ ನ ನ

ಪ

ಪಲ್ಲಿ

छिपकली

ಸುಮ್ಮನೆ ಕಣ್ಣಾಯಿಸಿದೆ ಅಲ್ಲಿ
ಗೋಡೆಯ ಮೇಲಿತ್ತು ಸಣ್ಣ ಪಲ್ಲಿ

ಪಲ್ಲಕ್ಕಿ

पालकी

ಹಪ್ಪಳ

पापड़

ದೀಪ

दिया

ಪ ಪ ಪ

ಫ

ಫಲ

फल

ತಿನ್ನುವೆ ನಾನು ಫಲ
ದಿನಕ್ಕೆ ಎರಡು ಸಲ

ಫಸಲು	ಸೀತಾಫಲ	ಸೋಫಾ
फसल	शरीफा	सोफा

ಫ ಫ ಫ

ಬ

ಬಕ

बगुला

ಸಮುದ್ರದಲ್ಲಿ ನಿಂತಿದೆ
ಒಂದು ಬಕ
ಯಾಕೋ ಮುದುರಿಕೊಂಡಿದೆ
ಅದರ ಮುಖ

ಬಟಾಣಿ

मटर

ಕಂಬಳಿ

कंबल

ಪ್ರತಿಬಿಂಬ

प्रतिबिंब

ಬ ಬ ಬ

ಭ

ಭರತನಾಟ್ಯ

भरतनाट्यम

ಭರತನಾಟ್ಯ ಕಲಿಯೋಣ
ನಾಡಿನ ನೃತ್ಯ ಉಳಿಸೋಣ

ಭತ್ತ

धान

ಆಭರಣ

आभूषण

ಸ್ತಂಭ

स्तम्भ

ಭ	ಭ	ಭ	

ಮ

ಮಳೆ

बारिश

ಮಳೆ ಬಂತು ಮಳೆ
ತುಂಬಿ ಹರಿಯಿತು ಹೊಳೆ

ಮಗು

बच्चा

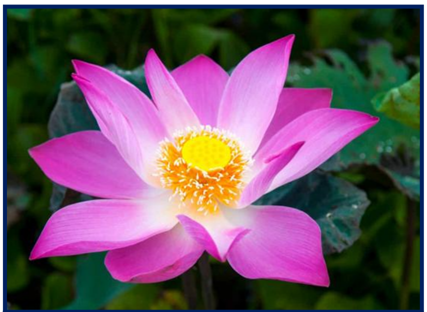

ಕಮಲ

कमल

ಧೂಮ

धुआँ

ಮ ಮ ಮ

ಯ	ಯಕ್ಷಗಾನ यक्षगान

ಮಾಡುತ್ತಾನೆ ಅವನು ಯಕ್ಷಗಾನ
ಉಳಿಸುತ್ತಾನೆ ನಮ್ಮೆಲ್ಲರ ಮಾನ

ಯಂತ್ರ

यंत्र

ಸೂರ್ಯಕಾಂತಿ

सूरजमुखी

ನ್ಯಾಯಾಲಯ

अदालत

ಯ ಯ ಯ

ರ

ರವಿ

सूरज

ಆಕಾಶದಲ್ಲಿರುವುದು ರವಿ
ಅದರ ಸುತ್ತ ತಿರುಗುವುದು ಭುವಿ

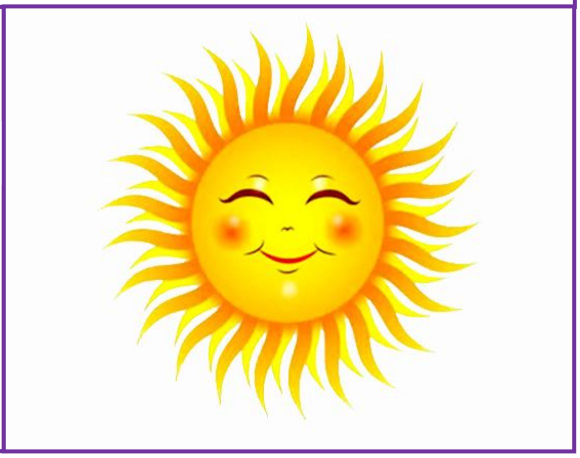

ರಂಗೋಲಿ

रंगोली

ತರಕಾರಿ

सब्जी

ಅರ

रेती

ರ ರ ರ

ಲ

ಲಂಗ

फ्राक

ನನ್ನ ತಂಗಿ ಆಡುತ್ತಾಳೆ ನನ್ನ ಸಂಗ
ಖುಷಿಯಿಂದ ಹಾಕಿಕೊಂಡು
ಹೊಸ ಲಂಗ

ಲವಂಗ

लौंग

ಚಿಲಕ

दरवाज़े की कुंडी

ಮೊಲ

खरगोश

ಲ ಲ ಲ

ವ

ವನ

जंगल

ಎಲ್ಲೆಂದರಲ್ಲಿ ಮನೆ ಕಟ್ಟುತ್ತಾರೆ
ಜನ ಅದಕ್ಕಾಗಿಯೇ
ನಾಶವಾಗುತ್ತಿದೆ ವನ

ವಕೀಲ	ಕವಚ	ತವ
वकील	कवच	तवा

ವ ವ ವ

ಶ

ಶರಬತ್ತು

शरबत

ಹಣ್ಣಿನಿಂದ ಮಾಡಿ ಶರಬತ್ತು
ಕುಡಿದು ನೋಡಿ ಅದರ ಕರಾಮತ್ತು

ಶಂಖ	ಪ್ರಶಸ್ತಿ	ಆಕಾಶ
शंख	पदक	आसमान

ಶ	ಶ	ಶ	

ಷ

ಷರಾಯಿ

पतलून

ಧರಿಸುತ್ತಾರೆ ಷರಾಯಿ
ಕಲಿತವರು ಆ ಆ ಇ ಈ

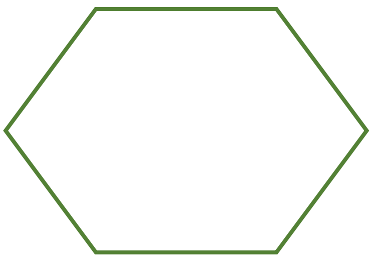		
ಷಟ್ಕೋನ	ಭಾಷಣ	ಪುರುಷ
षट्कोण	भाषण	पुरुष

ಷ ಷ ಷ

ಸ

ಸರ

माला

ಕಾಡಬೇಡ ನನ್ನ ನೀ ಮಂಗನ ತರ
ಕೊಡಿಸುತ್ತೇನೆ ನಿನಗೆ ಮುತ್ತಿನ ಸರ

ಸಕ್ಕರೆ	ಮೊಸರು	ಸಮೋಸ
चीनी	दही	समोसा

ಸ ಸ ಸ

ಹ	ಹಸು
	गाय

ನಿತ್ಯವೂ ಹಾಲು ಕೊಡುವುದು
ಹಸು
ಅದನ್ನು ಕುಡಿಯುವುದು ನಮ್ಮ
ಕೂಸು

ಹಕ್ಕಿ	ಬಾಳೆಹಣ್ಣು	ಸಿಂಹ
पंछी	केला	शेर

ಹ ಹ ಹ

ಳ

ಜೋಳ

ज्वार

ರೈತರು ಬೆಳೀತಾರೆ ಕಷ್ಟಪಟ್ಟು
ಜೋಳ
ಕೇಳೋರಿಲ್ಲ ಯಾರೂ ಅವರ
ಗೋಳ

ಕೊಳಲು

बाँसुरी

ಲಾಳ

घोड़े की नाल

ಹವಳ

मूँगा

ಳ ಳ ಳ

ಸ್ವರ	ಸ್ವರ	ಉದಾಹರಣೆ	ಚಿತ್ರ
ಅ	—	ಗಡಿಯಾರ	
ಆ	◌ಾ	ನಾಯಿ	
ಇ	◌ಿ	ಕಿವಿ	
ಈ	◌ೀ	ಮೀಸೆ	
ಉ	◌ು	ಕುದುರೆ	

ಸ್ವರ	ಸ್ವರ	ಉದಾಹರಣೆ	ಚಿತ್ರ
ಊ	◌ೂ	ಮೂಗು	
ಋ	◌ೃ	ಗೃಹ	
ಎ	◌ೆ	ಬೆಕ್ಕು	
ಏ	◌ೇ	ಸೇಬು	
ಐ	◌ೈ	ರೈತ	

ಸ್ವರ	ಸ್ವರ	ಉದಾಹರಣೆ	ಚಿತ್ರ
ಒ	◌ೊ	ಪೊರಕೆ	
ಓ	◌ೋ	ತೋರಣ	
ಔ	◌ೌ	ಸೌತೆಕಾಯಿ	
ಅಂ	◌ಂ	ಕಂಸಾಳೆ	
ಅಃ	◌ಃ	ನಮಃ	

ಲೆಕ್ಕ ಮಾಡೋಣ

1	ಒಂದು		1
2	ಎರಡು		2
3	ಮೂರು		3
4	ನಾಲ್ಕು		4
5	ಐದು		5
6	ಆರು		6
7	ಏಳು		7
8	ಎಂಟು		8
9	ಒಂಬತ್ತು		9
10	ಹತ್ತು		10

11	ಹನ್ನೊಂದು		11
12	ಹನ್ನೆರಡು		12
13	ಹದಿಮೂರು		13
14	ಹದಿನಾಲ್ಕು		14
15	ಹದಿನೈದು		15
16	ಹದಿನಾರು		16
17	ಹದಿನೇಳು		17
18	ಹದಿನೆಂಟು		18
19	ಹತ್ತೊಂಬತ್ತು		19
20	ಇಪ್ಪತ್ತು		20

ಕೆಳಗಿನ ಸಂಖ್ಯೆಗಳನ್ನು ಬರೆಯೋಣ

೧	೧	೧	೧	
೨	೨	೨	೨	
೩	೩	೩	೩	
೪	೪	೪	೪	
೫	೫	೫	೫	
೬	೬	೬	೬	
೭	೭	೭	೭	
೮	೮	೮	೮	
೯	೯	೯	೯	
೧೦	೧೦	೧೦	೧೦	

೧೧	೧೧	೧೧	೧೧	
೧೨	೧೨	೧೨	೧೨	
೧೩	೧೩	೧೩	೧೩	
೧೪	೧೪	೧೪	೧೪	
೧೫	೧೫	೧೫	೧೫	
೧೬	೧೬	೧೬	೧೬	
೧೭	೧೭	೧೭	೧೭	
೧೮	೧೮	೧೮	೧೮	
೧೯	೧೯	೧೯	೧೯	
೨೦	೨೦	೨೦	೨೦	

हिंदी वर्ण

स्वर

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ
ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः	

व्यंजन

क	ख	ग	घ	ङ
च	छ	ज	झ	ञ
ट	ठ	ड	ढ	ण
त	थ	द	ध	न
प	फ	ब	भ	म
य	र	ल	व	श
ष	स	ह		
क्ष	त्र	ज्ञ		

ePathshala

Step-by-Step guide for users to access e-resources linked to QR Codes

The coded box placed on the first page of every chapter is called quick Response (QR) Code. It will help you to access e-resources such as audios, videos, multi-media, texts, etc. related to themes given in the chapter. The first QR code is to access the complete e-textbook. The subsequent QR codes will help you access the relevant e-resources linked to each chapter. This will help you enhance your learning in a joyful manner.

Follow the steps given below and access the e-Resources through your smartphone or tablet using ePathshala

1. Install ePathshala Scanner app from Play Store and open
2. Get ready with QR code scanning window
3. Place scanner above the QR code
4. Select and click on the link
5. Use available e-Resource

For accessing the e-Resources using e-Pathshala on desktop or laptop follow the step stated below:

Go to https://epathshala.nic.in/topics.php and enter the alphanumeric code given below the QR code

DIKSHA

Download **DIKSHA** app from Google Playstore and follow the steps given below and access the e-Resources through your smartphone or tablet using **DIKSHA**

1. Select preferred language
2. Choose your role: Student or Teacher
3. Grant access and allow app permissions
4. Tap to scan the QR code
5. Focus camera on the QR code in textbook
6. Click to Play QR code specific e-resource(s)

For accessing the e-Resources using DIKSHA on desktop or laptop follow the step stated below:

Go to https://diksha.gov.in/resources and enter the alphanumeric code given under the QR code

PREPARATION OF BILINGUAL PRIMERS (EARLY GRADE) FOR BHARATIYA LANGUAGES JOINTLY BY CIIL & NCERT

PRIMERS DEVELOPED IN PHASE-I (54)

SN	Language
1	ANAL
2	ANGAMI
3	AO
4	ASSAMESE
5	BHUTIA
6	BODO
7	DEORI
8	DESIA
9	DIMASA
10	GADABA (GUTOB)
11	GARO
12	HALABI (HALBI)
13	HMAR
14	JATAPU (KUVI)
15	JUANG
16	KABUI (RONGMEI)
17	KARBI
18	KHANDESHI
19	KHARIA
20	KINNAURI
21	KISAN (KUNHU)
22	KODAVA (COORGI/KODAGU)
23	KONDA
24	KORKU
25	KOYA
26	KUI
27	KUKI
28	KURUKH/ORAON
29	KUWI
30	KUZHALE (KHEZHA)
31	LIANGMAI
32	LIMBU
33	LOTHA
34	MANIPURI
35	MAO
36	MISHMI
37	MISING
38	MIZO
39	MOGH
40	MUNDARI
41	NEPALI
42	NYISHI (NISSI)
43	RAI
44	SANTALI (ODISHA)
45	SANTALI (WEST BENGAL)
46	SAVARA (SORA)
47	SHERPA
48	SÜMI (SEMA)
49	TAMANG
50	TANGKHUL
51	TANGSA
52	TIWA (LALUNG)
53	TULU
54	WANCHO

PRIMERS DEVELOPED IN PHASE-II (25)

SN	Language
55	ADI
56	BHUMIJ
57	CHANG
58	GONDI
59	HALAM
60	HO
61	KHIAMNIUNGAN
62	KOCH
63	KODA (KORA)
64	KOLAMI
65	KOM
66	KONYAK
67	LADAKHI
68	LEPCHA
69	MARA (LAKHER)
70	MARAM
71	NOCTE
72	PASHTO
73	POCHURY
74	RABHA
75	RENGMA
76	SHINA
77	TAMIL
78	TIBETAN
79	YIMKHIUNG (YIMCHUNGRE)

PRIMERS DEVELOPED IN PHASE-III (25)

SN	Language
80	BENGALI
81	BHILI
82	BISHNUPRIYA MANIPURI
83	CAR NICOBARESE (PŪ)
84	DOGRI
85	GUJARATI
86	KANDHA (KONDH)
87	KANNADA
88	KHASI
89	KONKANI
90	KORWA
91	LAHAULI
92	MAITHILI
93	MALAYALAM
94	MALTO
95	MARATHI
96	MARING
97	MONPA
98	MUNDA
99	NANCOWRY (MÖÜT)
100	ODIA
101	PARJI (DURUA)
102	PHOM
103	PUNJABI
104	TELUGU

PRIMERS DEVELOPED IN PHASE-IV (18)

SN	Language
105	BALTI
106	CHOKRI
107	GANGTE
108	GONDI-TELUGU
109	HINDI
110	KASHMIRI
111	KOKBOROK (TRIPURI)
112	LAI (PAWI)
113	PAITE
114	SANGTAM
115	SANSKRIT
116	SANTALI (JHARKHAND)
117	SINDHI
118	THADOU-KUKI
119	URDU
120	VAIPHEI
121	ZEME (ZEMI)
122	ZOU

भारतीय भाषा संस्थान
Central Institute of Indian Languages
(Department of Higher Education, Ministry of Education, GoI)
Manasagangotri, Mysuru - 570 006
0821 2515820 (Director) / ada-ciilmys@gov.in

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
National Council of Educational Research and Training
Sri Aurobindo Marg
New Delhi - 110016
011 2696 2580 / dceta.ncert@nic.in